आकाशवाणी शिमला

01.12.2025 / प्रादेशिक समाचार / 1945बजे

मुख्य समाचार

- मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा–अगले महीने से हमीरपुर–नेरचौक और आईजीएमसी शिमला में रोबोटिक सर्जरी होगी शुरू।
- विधानसभा में विधायक क्षेत्र विकास निधि की किश्त जारी न करने का मामला गूंजा–प्रदेश के कर्मचारियों और पैंशनरों को वेतन व पैंशन के एरियर के लिए करना होगा इंतजार।
- प्रदेश के स्वास्थ्य संस्थानों में प्रबंधन की जवाबदेही तय करने के लिए बनेगी एस.ओ.पी – 5 सौ रोगी मित्र होंगे भर्ती।
- धर्मशाला में एंटी चिट्टा जागरूकता वॉकथॉन का आयोजन– मुख्यमंत्री ने चिट्टे के खात्मे के लिए लोगों से मांगा सहयोग।
- प्रदेश में शुष्क ठंड का दौर जारी– 4 दिसम्बर से सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ।

प्रश्नकाल

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि हमीरपुर, नेरचौक और शिमला आईजीएमसी में अगले माह जनवरी तक रोबोटिक सर्जरी शुरू कर दी जाएगी। धर्मशाला के तपोवन में चल रहे विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान आज प्रश्नकाल में विधायक बिक्रम ठाकुर के अनुपूरक के सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रोबोटिक सर्जरी शुरू होने से लेकर अभी तक दो माह में 78 ऑपरेशन चमियाना शिमला और 38 ऑपरेशन टांडा मेडिकल कांगड़ा में हो चुके हैं। इसके अलावा शिमला स्थित चमियाणा, आईजीएमसी और टांडा में स्मार्ट लैब को स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हिमाचल में मरीजों से पीजीआई चंडीगढ़ के तर्ज पर पैसा लिया जा रहा है और जो लोग अस्पतालों में स्पेशल वार्ड लेते हैं उनसे रोबोटिक सर्जरी के 50 हजार रुपये लिए जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार तीन हजार करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। विधायक लोकेंद्र कुमार के प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश के कर्मचारियों की तबादला नीति में बदलाव करेगी। विधायक नीरज नैय्यर के प्रश्न के उत्तर में राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने बताया कि पवित्र मणिमहेश यात्रा के लिए राज्य सरकार एसओपी बनाएगी।

इस पवित्र यात्रा में श्रद्धालुओं की सेवा के लिए लंगर लगाने वाली संस्थाओं से कोई शुल्क नहीं वसूला जाएगा और सरकार निशुल्क लंगर लगाने की सुविधा प्रदान करेगी। राजस्व मंत्री ने कहा कि अभी तक इनसे 25 हजार का शुल्क लिया जाता था। इससे पहले राजस्व मंत्री ने प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि सरकार ने 16 हजार श्रद्धालुओं को मणिमहेश यात्रा के दौरान सुरक्षित रेस्क्यू किया। ग्रामीण विकास व पंचायतीराज मंत्री अनिरूद्ध सिंह ने कहा कि विधायक क्षेत्र विकास निधि व ऐच्छिक निधि के तहत 2023 से पहले आबंटित बहुत सारी धन राशि खर्च नहीं की गई है। विधायक विपिन सिंह परमार के सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि सरकार ने दोनों निधियों के तहत विभिन्न कारणों से विकास कार्य शुरू न हो पाने पर बिना खर्च की हुई धन राशि को वापिस मंगवाया है।

विधानसभा

प्रदेश विधानसभा में आज नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर ने प्वांइट ऑफ ऑर्डर के तहत विधायक क्षेत्र विकास निधि की किस्त जारी न करने का मामला उठाया। इस पर मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है और अगर केंद्र से आर्थिक सहयोग मिलता है, तभी सरकार इस माह विधायक क्षेत्र विकास निधि की तीसरी किस्त जारी कर सकेगी। इसी तरह

मुख्यमंत्री ने 70 वर्ष से अधिक आयु के पैंशनरों के एरियर का भुगतान इस वित्त वर्ष में करने का आश्वासन दिया है।

हिमाचल प्रदेश में आर्थिक संकट से जूझ रही सुक्खू सरकार विधायक क्षेत्र विकास निधि की तीसरी किस्त जारी नहीं कर पाई है वहीं राज्य के कर्मचारियों व पैशनरों को उनके एरियर का अभी भी भुगतना नहीं हुआ है। धर्मशाला के तपोवन में चल रहे विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर द्वारा प्वाइंट ऑफ आर्डर के माध्यम से विधायक क्षेत्र विकास निधि को लेकर उठाए गए मामले पर मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि वह विधायकों की दिक्कतों को समझते हैं और सरकार खराब वित्तीय हालत के चलते शायद इस माह भी विधायकों को बढ़ा हुआ वेतन और भत्ता नहीं दे पाएगी। उन्होंने कहा कि यदि केंद्र से आर्थिक सहयोग मिलता है, तभी सरकार इस माह विधायक क्षेत्र विकास निधि की तीसरी किस्त जारी कर सकेगी। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने ये मामला उठाते हुए कहा कि विधायक क्षेत्र निधि की केवल दो किस्ते जारी हुई हैं और इन किस्तों का पैसा भी विधायकों की सिफारिश पर जारी नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे जनता का विधायकों से भरोसा टूट गया है। इस बीच विधानसभा में एक विशेष विशेष वक्तव्य के माध्यम से मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार को कर्मचारियों और पेंशनरों के एरियर का अभी भी 8 हजार 5 सौ 55 करोड़ रुपए का भुगतान करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने अभी तक कर्मचारियों और पेंशनरों को उनके एरियर में से 2 हजार एक सौ 55 करोड़ रुपए जारी भी कर दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के राजस्व में सुधार होते ही कर्मचारियों व पेंशनरों के एरियर जैसी देनदारियों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर वित्त वर्ष 2025–2026 से अगले 5 वर्षों तक केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त होने पर कर्मचारियों व पेंशनरों के सभी वित्तीय देनदारियों का भुगतान चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 70 वर्ष से अधिक उम्र के पेंशनरों को बकाया पेंशन का 70 फीसदी एरियर का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने घोषणा की कि इन पेंशनरों के बकाया 30 फीसदी एरियर का भुगतान इसी वित्त वर्ष में कर दिया जाएगा, जिस पर लगभग 90 करोड़ रुपए खर्च होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल में ओपीएस लागू करने के बाद केन्द्र ने राज्य की कर्ज लेने की सालाना 1600 करोड़ रूपए की सीमा भी खत्म कर दी है।

रितेश कपूर आकाशवाणी समाचार धर्मशाला।

नियम–62

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि स्वास्थ्य संस्थानों में प्रबंधन की जवाबदेही तय करने के उद्देश्य से एसओपी तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों व अस्पतालों में उपचार के लिए आने वाले रोगियों की मदद से सरकार जल्द ही 5 सौ रोगी मित्रों की भर्ती करेगी। इसके अलावा प्रदेश में 10 एनेस्थीसिया विशेषज्ञों की भर्ती भी की जाएगी। वे आज विधानसभा में विधायक आरएस बाली द्वारा लाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब दे रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक साल में प्रदेश के हमीरपुर, टांडा, नेरचौक, आईजीएमसी और चमियाणा अस्पतालों में विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करवाई जाएगी। इसके अलावा चंबा और नाहन मेडिकल कालेजों में भी जल्द ही सुविधाओं में इजाफा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 70 फीसदी स्वास्थ्य संस्थानों में सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर भर्ती कर दिए गए हैं। टांडा मेडिकल कॉलेज भवन की रिपेयर को 5 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज कांगड़ा जिले के धर्मशाला में एंटी–चिट्टा जागरूकता वॉकथॉन का नेतृत्व किया। यह वॉकथॉन दाड़ी ग्राउंड से शुरू होकर पुलिस ग्राउंड में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थियों के साथ समाज के विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए। पुलिस ग्राउंड में मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि में नशा तस्करों के लिए कोई स्थान नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नया हिमाचल है और जब तक चिट्टे का अंतिम अंश भी समाप्त नहीं हो जाता, तब तक यह लड़ाई जारी रहेगी। सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने समाज के सभी वर्गों से सहयोग की अपील करते हुए चिट्टा के बारे में सूचना साझा करने पर पुरस्कार की घोषणा भी की।

मौसम

प्रदेश में इन दिनों लोगों को शुष्क ठंड का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश के कई शहरों का तापमान 10 डिग्री सैल्सियस के आसपास दर्ज किया जा रहा है। मौसम विज्ञान केन्द्र शिमला के वैज्ञानिक संदीप कुमार शर्मा ने बताया कि 4 दिसम्बर से प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने पर कुछ क्षेत्रों में हल्की वर्षा व बर्फबारी की संभावना है।

मुख्य समाचार एक बार फिर''

- मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा–अगले महीने से हमीरपुर–नेरचौक और आईजीएमसी शिमला में रोबोटिक सर्जरी होगी शुरू।
- विधानसभा में विधायक क्षेत्र विकास निधि की किश्त जारी न करने का मामला गूंजा–प्रदेश के कर्मचारियों और पैंशनरों को वेतन व पैंशन के एरियर के लिए करना होगा इंतजार।
- प्रदेश के स्वास्थ्य संस्थानों में प्रबंधन की जवाबदेही तय करने के लिए बनेगी एस.ओ.पी – 5 सौ रोगी मित्र होंगे भर्ती।
- धर्मशाला में एंटी चिट्टा जागरूकता वॉकथॉन का आयोजन– मुख्यमंत्री ने चिट्टे के खात्मे के लिए लोगों से मांगा सहयोग।
- प्रदेश में शुष्क ठंड का दौर जारी– 4 दिसम्बर से सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ।